फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 274 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 8 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Being A Blackbuck

Barbed wire fences draped sporadically with old sarees and other cloth that flap in the crisp breeze. Young fawns get spooked by this movement, but the older does and bucks know that they are harmless

The Journey of "Babul Mora Naihar Chhuto Hi Jaye"

राहुल गांधी को अपना नया युवा जाट नेता मिल गया हरियाणा में?

पूर्व आईएएस अफसर तथा वरिष्ठ नेता चौधरी बीरेन्द्र सिंह के पुत्र बृजेन्द्र सिंह गत छः माह से प्रदेश में पदयात्रा पर थे तथा राहुल गांधी पदयात्रा के समापन समारोह में शामिल होने कल विशेष रूप से गुडगाँव आ रहे हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मई। राहुल गांधी और हरियाणा में पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं की पूरी श्रृंखला आमने सामने है और इसे एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में पेश किया जा रहा है।

पूर्व आईएएस अधिकारी और पूर्व सांसद बृजेन्द्र सिंह, वरिष्ठ नेता चौधरी बीरेन्द्र सिंह के पुत्र, पिछले 6 महीनों से 85 विधानसभा क्षेत्रों की पदयात्रा कर रहे है।

- उल्लेखनीय बात यह है कि हरियाणा के पार्टी संगठन ने इस पदयात्रा में कोई सहयोग नहीं किया, बल्कि तर्क दिया कि यह कोई पार्टी द्वारा ''स्वीकृत'' पद यात्रा नहीं थी।
- पर, राहुल समापन समारोह में आएंगे तथा रोड शो के बाद आम सभा को संबोधित भी करेंगे।
- मैसेज साफ है कि राहुल ने हरियाणा में, हूडा परिवार का विकल्प ढूंढ लिया है तथा ''स्टेयरिंग व्हील'' अब बीरेन्द्र सिंह के हाथ में आएगी तथा पुराने वरिष्ठ नेता अब गाड़ी की पिछली सीट पर बैठने के लिए तैयार हो जाएं।
- हरियाणा की कांग्रेस इकाई में आने वाले समय में काफी धूम धड़ाका होने के पूरे आसार हैं।

पार्टी ने उनकी इस यात्रा को कोई समर्थन देने से इनकार कर दिया, और कहा कि यह कोई मान्यता प्राप्त कांग्रेस यात्रा नहीं है।

लेकिन बृजेन्द्र सिंह राहुल गांधी के संपर्क में रहे हैं और हर मायने में उनके समर्थन और आशीर्वाद से लैस हैं।

कल जब यात्रा गुरुग्राम में समाप्त होगी, राहुल गांधी उस समापन कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे।

उनके लिए 800 मीटर का रोड शो होगा, इसके बाद एक तरह की जनसभा होगी, जिसमें वे भाषण देंगे।

हो सकता है कि भाषण में बृजेन्द्र सिंह का नाम कांग्रेस पार्टी में नए उत्तराधिकारी के रूप में नहीं लिया जाये, जो पार्टी की कमान संभालेगा, लेकिन सभी संकेत यह दर्शाते हैं कि राहुल अब हरियाणा कांग्रेस के सिंहासन के लिए नए वारिस पर ध्यान केन्द्रित कर चुके हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडु में गवर्नर ने विजय से फिर बात की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मई। तमिलनाडु में आज का दिन राजनैतिक रूप से तनावपूर्ण रहा, क्योंकि टीवीके सरकार के गठन में देरी हो रही है। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर ने सी जोसेफ विजय को बताया कि उनकी पार्टी के पास अभी विधानसभा में सरकार बनाने के लिए पर्याप्त समर्थन नहीं है।

लोक भवन ने बताया कि राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ ने टीवीके अध्यक्ष सी.

- पर इस बार भी उन्होंने विजय से बहुमत का प्रमाण मांगा, इसी बीच द्रमुक व अन्नाद्रमुक के मिलकर सरकार बनाने की बात भी चली, पर दोनों दलों ने इससे इन्कार कर दिया।

जोसेफ विजय को गुरुवार को लोक भवन में आमंत्रित किया। यह दोनों के बीच बुधवार के बाद दूसरी मुलाकात थी।

गुरुवार को विजय ने राज भवन में लगभग 40 मिनट बिताए, इससे एक दिन पहले उन्होंने कांग्रेस का समर्थन पत्र राज्यपाल को सौंपा था।

बैठक के दौरान, राज्यपाल ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कोई भी दिल्ली से आया डैडी आपको बचा नहीं पाएगा'

अभिषेक बनर्जी, ममता के भतीजे द्वारा चुनाव सभा में तृणमूल विरोधियों को दी गई धमकी को ''सफलता'' से पूरा किया गया?

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मई। हाल ही में हुए उथल-पुथल भरे चुनाव के तुरंत बाद, पश्चिम बंगाल भारी हिंसा से त्रस्त है पर उस समय सभी सन्न रह गए जब एक युवक की हृदय विदारक हत्या की खबर फैली। यह युवक शुभेन्दु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट (पी.ए.) के रूप में कार्यरत था, जो संभावित मुख्यमंत्री हैं।

इस हत्या को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखा जा रहा है और संदेह की सुई पूर्व में सत्तारूढ़ रही पार्टी, तृणमूल कांग्रेस की ओर मुड़ रही है, आम जनता अधिकांश नेता यही मानते हैं। पिछले पंद्रह वर्षों से सत्ता में रही पार्टी के खिलाफ गुप्त नफरत उबल रही है और इस हत्या ने उस कटुता को और बढ़ा दिया है।

हत्या के तरीके से स्पष्ट होता है कि यह सुनियोजित, और पेशेवर हत्यारों द्वारा की गई हत्या थी। चंद्रनाथ रात 10 बजे घर लौट रहे थे, जब उन्हें घर से मात्र 50 मीटर की दूरी पर रोका गया।

- शुभेन्दु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ की उनके घर से पचास मीटर दूर, सुनियोजित तरीके से हत्या कर दी गई, उनकी कार को सकड़ी गली में एक गाड़ी द्वारा रास्ता रोक कर रोका गया, फिर दो मोटर साईकिलों पर आए युवकों ने उन पर गोलियां बरसा दीं।
- माहौल इतना विषाक्त है कि कोलकाता-दिल्ली फ्लाइट पर उनकी नज़दीकी महुआ मोइत्रा को देखकर यात्रियों ने उन्हें घेर लिया व ममता बनर्जी व अभिषेक के खिलाफ नारेबाजी की।
- क्या, इन सुनियोजित हिंसक घटनाओं का मकसद, भाजपा को एक बेअसर सत्तारूढ़ दल के रूप में प्रस्तुत करना है, जो अशांत बंगाल को मजबूत सरकार देने की क्षमता नहीं रखता।

सामने से एक कार उस सँकरी गली में आई और चंद्रनाथ की कार का रास्ता रोक दिया।

तुरंत बाद दो मोटरसाइकिलें चंद्रनाथ की कार के पास आईं और पीछे की सीट पर बैठे पीए पर कम से कम पांच गोलियाँ चला दीं।

भाजपा की शानदार जीत के ठीक बाद हुई इस हत्या को राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में देखा जा रहा है। स्वयं शुभेन्दु अधिकारी ने कहा कि उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हैड काउन्टस से मु.मंत्री का चयन और जटिल हुआ केरल में

वेणुगोपाल को 25, रमेश चैन्नितथाला को 23, तथा सतीशन को 7 विधायकों का समर्थन मिला

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मई। केरल में कांग्रेस नेतृत्व फंसा हुआ है।

राहुल गांधी ने केरल में समर्थन का जायज़ा लेना चाहा। ऑब्ज़र्वरों ने सभी सांसदों से व्यक्तिगत बैठकें कीं, लेकिन नतीजे समस्या ज्यादा बन गए और समाधान कम।

के. सी. वेणुगोपाल के पास 25 विधायक थे। रमेश चेनिन्थला के पास 23 और वी. डी. सतीशन के पास 7 तथा ओमान चांडी समूह के पास 8 विधायक थे, जिन्होंने निर्णय हाई कमान पर छोड़ दिया।

वी. डी. सतीशन ने कहा है कि अगर किसी और को मुख्यमंत्री बनाया गया, और वह गैर-विधायक (नॉन-एमएलए) हुआ, तो वे किसी पद पर नहीं रहेंगे, केवल विधायक के रूप में बने रहेंगे।

- ओमान चांडी के पक्ष में 8 विधायक रहे, चांडी ने अपने विधायकों को हाईकमान के निर्देश की पालना के लिए छोड़ दिया।
- सतीशन ने धमकी दी कि अगर किसी गैर विधायक को मु.मंत्री बनाया गया तो वे सरकार में कोई पद नहीं लेंगे। पर, विधायक बने रहेंगे।
- के.सी. वेणुगोपाल, स्वयं मु.मंत्री बनने को लालायित हैं, पर, ऐसा हुआ तो पार्टी में भारी समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। और यहाँ तक कि विभाजन व विघटन होने की संभावना भी बन सकती है।
- गांधी परिवार भी वेणुगोपाल के बारे में एकमत नहीं है।
- दो पर्यवेक्षक माकन व वासनिक भी देर रात केरल से लौट आए, पर, मामला अभी भी काफी उलझा है।

यूडीएफ के सदस्य जोसेफ ने सुझाव दिया है कि मुख्यमंत्री का चुनाव किसी विधायक (एमएलए) से ही किया जाना चाहिए।

के. सी. वेणुगोपाल मुख्यमंत्री बनने के लिए बहुत उत्सुक हैं, लेकिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विजय को तुरंत शपथ दिलाई जाए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मई। पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने तमिलनाडु में राज्यपाल के रुख को ''असंवैधानिक'' करार दिया है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी पार्टी के नेता के रूप में विजय को

- पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने कहा, बहुमत साबित करने की जगह विधानसभा है, राज्यपाल बहुमत का प्रमाण नहीं मांग सकते हैं।

शपथ दिलाई जानी चाहिए और उन्हें विधानसभा के पटल पर बहुमत साबित करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

रोहतगी ने जोर देकर कहा कि संवैधानिक प्रथा सदन में परीक्षण की मांग करती है, राज्यपाल को अग्रिम सबूत देने की नहीं, और जनादेश का सम्मान करने के लिए त्वरित कार्रवाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन में दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोप में मौत की सज़ा

चीन की सैन्य अदालत ने रिश्वत के मामले में यह सज़ा सुनाई

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मई। चीन के सरकारी मीडिया की रिपोर्ट ने बताया कि एक कठोर कदम उठाते हुए, चीन ने अपने दो पूर्व रक्षा मंत्री वेई फेंगहे और ली शांगफू को भ्रष्टाचार के आरोप में गुरुवार को मौत की सजा सुनाई, जिसे दो साल की मोहलत के साथ स्थगित किया गया।

उनकी सजा चीन की सैन्य अदालत द्वारा अलग-अलग दी गई, ज्ञातव्य है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सख्त रुख अपनाता रहा है।

शी, जो 2013 में राष्ट्रपति और राज्य केन्द्रीय सैन्य आयोग के अध्यक्ष बनने के बाद से चीन के निर्विवाद नेता हैं, इस तरह की कठोर कार्रवाई के माध्यम से विपक्ष को खामोश करते आ रहे हैं।

- चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, जो चीन के स्टेट सैंट्रल मिलिटरी कमीशन के अध्यक्ष भी हैं, ने काफी अर्से से चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर सख्त कार्यवाही करते रहे हैं, और इस बहाने वे अपने तमाम विरोधियों को भी ठिकाने लगा रहे हैं।

सरकारी समाचार एजेंसी ''शिन्हुआ'' के अनुसार, वेई को रिश्वत लेने का दोषी पाया गया, जबकि ली को रिश्वत लेने और देने दोनों का दोषी ठहराया गया। यह जानकारी राज्य संचालित शिन्हुआ समाचार एजेंसी ने अदालत के आदेशों का हवाला देते हुए दी।

वेई और उनके उत्तराधिकारी ली, जिन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग की निगरानी में कार्य किया, 2024 में सत्तारुढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिए गए थे। वे दोनों केन्द्रीय सैन्य आयोग के सदस्य भी रहे, जिसकी अध्यक्षता शी करते हैं।

वेई ने 2018 से 2023 तक रक्षा मंत्री के रूप में कार्य किया, जबकि ली केवल कुछ महीनों तक उनके उत्तराधिकारी बने।

वेई और ली, दोनों ही पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की महत्वपूर्ण रॉकेट (मिसाइल) फोर्स के प्रमुख रहे, जिसे 2015 में शी की सैन्य सुधार योजना के तहत स्थापित किया गया था।

वेई, जिन्होंने रॉकेट फोर्स का नेतृत्व इसके गठन से 2017 तक किया और बाद में रक्षा मंत्री बने, को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारतक लिया गया और पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

ली को रक्षा मंत्रालय के शीर्ष पद के लिए व्यक्तिगत रूप से शी ने चुना था।

ली के बर्खास्त होने के बाद, कई उच्च अधिकारियों को हटाया गया और उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये गये।

शी जिनपिंग 2012 में के सत्ता में आने के बाद से ही चीन में भ्रष्टाचार विरोधी एक व्यापक अभियान चलाया गया है, जिसमें एक मिलियन से अधिक अधिकारियों सहित, कई जनरलों को दंडित किया गया है।

ट्रंप को रोकना पड़ा प्रोजैक्ट फ्रीडम

वॉशिंगटन, 07 मई। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब भी खत्म नहीं हुआ है। इस बीच राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को एक और बड़ा झटका लगा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए शुरू किए जाने वाले 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' पर फिलहाल रोक लगा दी है।

इंटरनैशनल कोर्ट तक जाऊंगी, ममता बनर्जी ने धमकी दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है, जबकि

- लेकिन कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि किसी देश के अंदरुनी मामले इंटरनैशनल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते हैं, इसलिए ममता बनर्जी की धमकी निराधार है।

उनकी तृणमूल कांग्रेस चुनाव हार गई है। उन्होंने केन्द्र में सत्ता में मौजूद भाजपा पर ''साजिश'' और जनादेश को ''लूटने'' का आरोप लगाया। शुरुआत में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या भाजपा शुभेन्दु अधिकारी को बंगाल में और हिमंता बिस्वा सरमा को असम में ''डम्प'' करेगी?

भाजपा अब यह आंकलन करने में जुटी है कि अगर इन दोनों नेताओं को ''डम्प'' किया गया तो प्रतिशोध के रूप में ये कितनी हानि पहुँचा सकते हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 मई। अमित शाह मुश्किल में हैं। उन्हें बंगाल का अगले मुख्यमंत्री तय करने में परेशानी हो रही है।

दो दिन हो चुके हैं, जब उन्होंने खुद को पश्चिम बंगाल का ऑब्ज़र्वर घोषित किया था, लेकिन अब तक वे बंगाल नहीं पहुँचे हैं।

शपथ ग्रहण 9 मई को तय है, लेकिन अब तक किसी मुख्यमंत्री का नाम नहीं दिखाई दे रहा।

शुभेन्दु को फ्रंट रनर बताया गया था, लेकिन अब इस पर संदेह उठ रहे हैं। उनके चौथे निजी सहायक (पीए) की हत्या हुई है। इसने यह सवाल उठाया है कि असल में क्या चल रहा है।

सूत्रों का कहना है कि अमित शाह खुफिया एजेंसियों के संपर्क में हैं और वे शुभेन्दु को मुख्यमंत्री बनाने या नहीं बनाने के फायदे और नुकसान की जानकारी ले रहे हैं।

सवाल यह है कि अगर उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया तो वे कितना नुकसान कर सकते हैं और शुभेन्दु के मामले में संभावित परिदृश्य क्या हो सकते हैं।

सूत्रों का कहना है कि अमित शाह असम में हेमंत बिस्वा सरमा के मामले में भी यही अभ्यास कर रहे हैं, क्योंकि गंभीर अटकलें हैं कि वे मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें दोबारा नहीं देखना चाहेंगे।

- हटाने या ''डम्प'' करने का मुख्य कारण शायद यह है कि दोनों नेताओं ने बहुत तीखे व कड़वे शब्द इस्तेमाल किए हैं, मुसलमानों के लिए।
- बाँग्लादेश ने चेतावनी दी है कि अगर मुसलमानों का नरसंहार हुआ तो हिंदुओं के साथ भी ऐसा हो सकता है, बाँग्लादेश में।
- साथ ही नरसंहार से प्र.मंत्री मोदी की अंतर्राष्ट्रीय छवि काफी ''डैमेज़'' (क्षतिग्रस्त) होती है।
- इंटैलिजैंस एजेंसियों से प्राप्त जानकारियों के अनुसार, चंद्रनाथ, शुभेन्दु अधिकारी का चौथा निजी सचिव था, जिसकी हत्या की गई है। अतः शुभेन्दु अधिकारी को डम्प करने की बात पर विचार हो रहा है। लगभग यह ही छवि हिमंता बिस्वा सरमा की असम के संदर्भ में है।

सवाल वही है कि वे कितना नुकसान कर सकते हैं और क्या पार्टी उन्हें छोड़ने का जोखिम उठा सकती है।

बंगाल और असम दोनों में मुस्लिमों की हत्याओं और इन दो नेताओं द्वारा मुस्लिमों के खिलाफ की जा रही कठोर टिप्पणियों ने बांग्लादेश में तीव्र प्रतिक्रिया भड़काई है, साथ ही हिंदुओं पर बदले की कार्यवाही करने की धमकी भी दी गई है।

हत्याएँ और हिंसा नरेन्द्र मोदी की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुँचा रही हैं, और इसका भाजपा और पश्चिम बंगाल व असम में उनकी हाल ही में मिली जीत पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

भारी परेशानी है, और अमित शाह जो केन्द्रीय गृहमंत्री और भाजपा की विजय के रचयिता है, उन्हें जिम्मेदारी लेनी ही होगी, चाहे निर्णय कितना भी दोषपूर्ण क्यों ना हो।

- असल में सऊदी अरब ने अमेरिका को अपने एयरस्पेस के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी है, इसलिए होर्मुज़ में फंस जहाजों को निकालने का ''प्रोजैक्ट फ्रीडम'' ट्रंप को रोकना पड़ा।

बताया जा रहा है कि सऊदी अरब ने अमेरिकी विमानों को अपने एयरबेस और एयरस्पेस के इस्तेमाल की अनुमति देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद यह फैसला लिया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका की योजना थी कि उसकी नौसेना होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों को सुरक्षा प्रदान करे। इसके लिए अमेरिकी विमानों को रियाद के दक्षिण-पूर्व स्थित प्रिंस सुल्तान एयरबेस का इस्तेमाल करना था। हालांकि, सऊदी अरब ने इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मुद्दे पर सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से भी बातचीत की, लेकिन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)